



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 375]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 14, 2007/अग्रहायण 23, 1929

No. 375]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 14, 2007/AGRAHAYANA 23, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 2007

अंतिम जांच परिणाम (निर्णायक समीक्षा)

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित ट्राइमिथोप्रिम के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच (निर्णायक समीक्षा)।

\*\*\*\*\*

सं. 15/26/2006-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि

(i) उपर्युक्त नियमावली को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित ट्राइमिथोप्रिम के कथित पाटन के बारे में दिनांक 23 जुलाई, 2001 को पाटनरोधी जांच शुरू की थी और चीन जन. गण. से ट्राइमिथोप्रिम के आयातों पर प्राधिकारी के दिनांक 7 सितम्बर, 2001 के प्रारंभ जांच परिणाम के आधार पर सीमाशुल्क विभाग के दिनांक 9 जनवरी, 2002 की अधिसूचना सं. 3/2002 द्वारा अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। प्राधिकारी के अंतिम जांच परिणाम दिनांक 12 जुलाई, 2002 की अधिसूचना द्वारा अधिसूचित किए गए थे और चीन जन. गण. से आयातित सम्बद्ध वस्तुओं पर राजस्व विभाग की दिनांक 3 सितम्बर, 2002 की अधिसूचना सं. 89/2002 द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

(ii) उपर्युक्त अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसरण में घरेलू उद्योग द्वारा वर्ष 2006 में विधिवत प्रलेखित आवेदन के आधार पर, जिसमें आगे 5 वर्ष की अवधि के लिए शुल्क जारी रखने का अनुरोध किया

गया था, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस बात की जांच करने के लिए कि क्या शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन और/अथवा क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, 29 दिसम्बर, 2006 की अधिसूचना द्वारा उक्त उपाय के विरुद्ध निर्णायक समीक्षा संबंधी कार्यवाही शुरू की थी। यह जांच 1 अक्टूबर, 2005 से 30 सितम्बर, 2006 (जांच अवधि) की अवधि के लिए की गई थी। तथापि, क्षति संबंधी विश्लेषण 2003-04 से सितम्बर, 2006 तक की अवधि के लिए किया गया था।

## ख. प्रक्रिया

1. इन कार्रवाइयों में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- (i) समीक्षा शुरू करने के बाद प्राधिकारी ने संगत सूचना माँगने के लिए नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश में ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के साथ प्रश्नावलियाँ भेजी;
- (ii) नियमों के अनुसार संगत सूचना माँगते हुए भारत में घरेलू उद्योग को भी नोटिस भेजे गए थे;
- (iii) नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरूआत करने के बारे में सूचना दी गई और उनसे यह अनुरोध किया गया कि वह अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का जवाब निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें;
- (iv) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना माँगते हुए भारत में सम्बद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों तथा उपभोक्ताओं को प्रश्नावलियाँ भेजी गई थीं;
- (v) पिछले तीन वर्षों के लिए तथा जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे जुटाने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से अनुरोध किया गया था;
- (vi) जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियाँ फिक्की, सीआईआई तथा एसोचैम को भी व्यापक परिचालन हेतु भेजी गई थीं;
- (vii) किसी निर्यातक/उत्पादक तथा आयातक ने प्रश्नावलियों का उत्तर नहीं दिया;
- (viii) मै. इन्वेंटा कैमिकल्स लि., हैदराबाद तथा मै. पंजाब कैमिकल्स एंड क्रॉप प्रोटेक्शन लि. यूनिट-अल्फा ड्रग, लालरू, पटियाला जो घरेलू उद्योग हैं, ने सूचना/आंकड़े प्रस्तुत किए;
- (ix) प्राधिकारी ने सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर हुई क्षति की जांच करने तथा उत्पादन की ईष्टतम लागत एवं भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकालने तथा यह निर्धारित करने के लिए कि यदि पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क लगाना घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, संभव सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया;
- (x) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से सुनने के लिए 3.9.2007 को सार्वजनिक सुनवाई की जिसमें केवल घरेलू उद्योग के प्रतिनिधि उपस्थित हुए थे। सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित होने वाले पक्षकारों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने का अनुरोध किया गया था। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों पर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस निर्धारण में विचार किया गया है;
- (xi) प्राधिकारी ने निरीक्षण हेतु विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत समक्ष साक्ष्य के अगोपनीय अंश वाली सार्वजनिक फाइल अनुरोध पर सभी हितबद्ध पक्षकारों के लिए उपलब्ध की;
- (xii) जांच शुरूआत संबंधी सूचना के उत्तर में और सार्वजनिक सुनवाई के बाद विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों पर नियमानुसार संगत सीमा और मामले पर प्रभाव डालने की हद तक संगत पैराग्राफों में विचार-विमर्श किया गया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों की

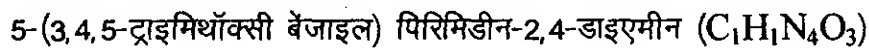
जांच की गई है और जहाँ उचित समझा गया है संगत पैराग्राफों में उन पर विचार किया गया है;

- (xiii) जांच 1 अक्टूबर, 2005 से 30 सितम्बर, 2006 तक की जांच अवधि के लिए की गई थी। तथापि, क्षति विश्लेषण वर्ष 2003-04, 2004-05 और 2005-06 तथा जांच अवधि के लिए किया गया है।
- (xiv) प्रकटन विवरण 3 दिसम्बर, 2007 को जारी किया गया था और सभी हितबद्ध पक्षकारों को निर्दिष्ट प्राधिकारी को अपनी टिप्पणियों के बारे में अवगत कराने की सलाह दी गई थी। तथापि, घरेलू उद्योग को छोड़कर किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की है। अपनी टिप्पणियों में घरेलू उद्योग ने अपने पूर्ववर्ती अनुरोध दोहराए हैं और निर्दिष्ट प्राधिकारी से आगे और 5 वर्ष की अवधि के लिए शुल्क जारी रखने का अनुरोध किया है;
- (xv) \*\*\* यह चिह्न इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के अनुसार उसे गोपनीय ही माना है।

#### ग. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

2. मूल जांच में शामिल उत्पाद ट्राइमिथोप्रिम (टीएमपी) था। चूँकि यह एक निर्णायक समीक्षा है इसलिए इस जांच में मूल जांच में शामिल उत्पाद अंतर्ग्रस्त है।

3. ट्राइमिथोप्रिम (टीएमपी) एक कार्बनिक रसायन है। यह नुस्खों में सीधे प्रयुक्त एक बल्क जीवाणुरोधी भेषीय संघटक है। टीएमपी के नुस्खे का उपयोग सल्फामैथोक्साजोल के संयोजन में किया जाता है। टीएमपी का उपयोग भार के अनुसार 1:5 के अनुपात में सल्फामैथोक्साजोल के संयोजन के साथ किया जाता है। ट्राइमिथोप्रिम का कोई व्यवहार्य स्थानापन्न नहीं है। टीएमपी का रासायनिक सूत्र निम्नानुसार है :



ट्राइमिथोप्रिम के उत्पादन में पाँच चरण अंतर्ग्रस्त होते हैं, जो हैं; अभिवर्तन संरचना, यौगिक संरचना, सोडियम मिथाॅक्साइड संरचना, टीएमपी संरचना और टीएमपी परिशोधन। परिशोधन के बाद एक अन्य चरण आता है जिसमें द्वितीयक अभिष्ट वस्तु की प्राप्ति अंतर्ग्रस्त होती है।

4. यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के सी.शु. अनन्य उपशीर्ष सं. 293359.20 तथा आईटीसी सं. 29335920 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, सीमाशुल्क आईटीसी एचएस वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं हैं।

5. घरेलू उद्योग द्वारा भी ट्राइमिथोप्रिम (टीएमपी) का उत्पादन किया जात है जिसकी विशेषताएँ और विनिर्देशन समान होते हैं। विचाराधीन उत्पाद अथवा समान वस्तु के मुद्दे पर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई तर्क नहीं दिया गया है अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद तथा संबद्ध देश में विनिर्मित और वहाँ से निर्यातित उत्पाद पाटनरोधी नियम 2(घ) के अनुसार समान वस्तुएँ हैं।

**घरेलू उद्योग**

6. मूल जांच में पाटनरोधी जांच हेतु आवेदन मै. इन्वेंटा कैमिकल्स लि., हैदराबाद तथा मै. पंजाब कैमिकल्स एंड क्रॉप प्रोटेक्शन लि. (यूनिट-अल्फा ड्रग, लालरू, पटियाला), (पूर्व में अल्फा ड्रग्स इंडिया लि. के नाम से ज्ञात) द्वारा घरेलू उद्योग की ओर से दायर किया गया था। वर्तमान निर्णायक समीक्षा में सूचना/आंकड़े इन्हीं दोनों विनिर्माताओं/इकाइयों अर्थात् मै. इन्वेंटा कैमिकल्स लि., हैदराबाद तथा मै. पंजाब कैमिकल्स एंड क्रॉप प्रोटेक्शन लि. यूनिट-अल्फा ड्रग, लालरू, पटियाला द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं और वे अभी भी घरेलू उद्योग हैं।

**समीक्षा की शुरुआत और दिए गए तर्क****आवेदक घरेलू उद्योग के विचार**

7. वर्तमान याचिका लागू मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने और उसमें वृद्धि करने के लिए एक निर्णायक समीक्षा जांच होने के कारण घरेलू उद्योग ने यह दलील दी है कि धारा 9क(5) में किए गए उपबंध के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह अपेक्षित होता है कि वह इस बात की जांच करे कि क्या मौजूदा शुल्क की समाप्ति से पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। उसने आगे यह दलील दी है कि शुल्क पाटन, जिससे क्षति हो रही है, को समाप्त करने के लिए आवश्यक सीमा तक लागू रखा जाना चाहिए। घरेलू उद्योग ने यह उल्लेख किया है कि चीन के उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में सामग्री का पाटन जारी रखा गया है जिससे स्वतः पाटनरोधी शुल्क को सतत रूप से लागू रखना न्यायोचित सिद्ध हो जाता है। यह दलील दी गई है कि शुल्क लागू रहने के बाद भी चीन से सतत पाटन से यह प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग को उचित राहत प्रदान करने के लिए लागू वर्तमान शुल्क पर्याप्त नहीं है और ऐसी स्थिति होने पर याचिकाकर्ताओं का निवेदन है कि अपेक्षित शुल्क को यथोचित वृद्धि के साथ आगे और 5 वर्ष की अवधि के लिए जारी रखा जाए।

8. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि ट्राइमिथोप्रिम (टीएमपी) पर पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध देश से पाटन जारी है। अपने अनुरोधों में उन्होंने यह उल्लेख किया है कि “पाटनरोधी शुल्क के मौजूदगी के बावजूद आयातों की मात्रा तथा कीमतों के उस स्तर, जिस पर उक्त वस्तु का निर्यात भारत को किया गया है, को ध्यान में रखते हुए” इस बात की सम्भावना है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में आयात की मात्रा में और अधिक वृद्धि होगी। उन्होंने आगे यह तर्क दिया है कि सम्बद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग को अपने निष्पादन में सुधार करने में मदद मिली है तथापि, घरेलू उद्योग उस सीमा तक सुधार करने में समर्थ नहीं हुआ है जिस सीमा तक उसे करना चाहिए था और इस प्रकार लागू शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन और क्षति की भारी संभावना है। जहाँ तक निष्पादन की वर्तमान स्थिति का संबंध है, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि अपने उत्पादन को बनाए रखने और उसमें वृद्धि करने तथा अपनी बिक्री की मात्रा और क्षमता उपयोग को बनाए रखने के लिए मौजूदा पाटनरोधी शुल्क जारी रखा जाना चाहिए। उन्होंने यह तर्क दिया है कि माँग और उत्पादन में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जिसके परिणामस्वरूप माल सूची में वृद्धि हुई है। उनका तर्क यह है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद घाटे में अत्यधिक कमी आई है तथा घरेलू उद्योग

में मामूली सुधार आया है लेकिन लाभ में कमी बनी हुई है। उनके द्वारा किए गए अनुरोधों के अनुसार आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम है। उन्होंने यह दलील दी है कि आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती पहले से ही हो रही है और यदि वर्तमान शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो कीमत कटौती की सीमा में आगे और वृद्धि हो जाएगी। उनका तर्क यह है कि घरेलू उद्योग का निष्पादन जाँच अवधि के दौरान पहले से ही प्रतिकूल था और इस बात की संभावना है कि पाटनरोधी शुल्क संबंधी उपाय समाप्त किए जाने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की क्षति में और वृद्धि हो जाएगी। यह भी अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग की समझ के अनुसार विचाराधीन उत्पाद के लिए चीन में उत्पादन क्षमता उनके घरेलू उद्योग की तुलना में उच्चतर है और यदि वर्तमान उपाय को समाप्त करने की अनुमति दी जाती है तो इस बात का खतरा उत्पन्न हो जाएगा कि अप्रयुक्त उत्पादन क्षमता के एक बड़े अनुपात का उपयोग भारतीय बाजार को पाटने में किया जाएगा।

### अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

9. किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई उत्तर दायर नहीं किया है और कोई अनुरोध नहीं किया है।

### प्राधिकारी द्वारा जाँच

10. प्राधिकारी घरेलू उद्योग को जारी क्षति के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत तर्कों को नोट करते हैं। घरेलू उद्योग को हुई क्षति तथा घरेलू उद्योग के लिए पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति होने के खतरे का विश्लेषण करते समय इन तर्कों को ध्यान में रखा गया है।

#### पाटन मार्जिन

### प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार की जाँच

11. सामान्य मूल्य के आकलन के प्रयोजन से निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(2) के अनुसार यह मानते हुए आगे की कार्रवाई शुरू की कि पाटनरोधी जाँच के प्रयोजनार्थ निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अथवा किसी भी डब्ल्यू टी ओ सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जाँच से पूर्व तीन वर्ष की अवधि के दौरान जिस देश को गैर बाजार अर्थव्यवस्था निर्धारित किया गया है अथवा उसका व्यवहार प्रदान किया गया है, वह गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। पिछले तीन वर्षों में ई यू तथा यू एस ए जैसे डब्ल्यू टी ओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जाँचों में चीन जन गणा को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाता रहा है। वर्तमान मामले में भी चीन जन गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है।

12. यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पना का खण्डन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदण्डों के आधार पर सूचना तथा पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए उसे सिद्ध कर दें। चीन जनवादी गणराज्य के संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के उत्तर में पैराग्राफ 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है, ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदण्डों पर विचार कर सकें कि क्या:

क) चीन जन गण की संबंधित फर्मों द्वारा कीमतों, लागत तथा कच्चे माल सहित निविष्टियों, प्रौद्योगिकी एवं श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्री एवं निवेश से संबंधित निर्णय बाजार संकेतों के आधार पर किए जाते हैं, जिसमें मांग व आपूर्ति की स्थिति प्रदर्शित होती हो और इस संबंध में राज्य का अत्यधिक हस्तक्षेप न हो और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत बाजार मूल्यों को प्रदर्शित करती है;

ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत एवं वित्तीय स्थिति, खास तौर से परिसम्पत्तियों के मूल्यहास, बट्टे खाते डाले गए अन्य व्यय, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की प्रतिपूर्ति के जरिए भुगतान के संबंध में पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली की विकृतियों को उल्लेखनीय रूप में जारी रखे हुए हैं;

ग) ऐसी फर्में दिवालियापन और सम्पत्ति कानूनों के अधधीन है, जो फर्म की कानूनी निश्चितता एवं प्रचालन के स्थायित्व की गारंटी देती है; और

घ) विनिमय दर परिवर्तन, बाजार दर पर किए जाते हैं ।

13. सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ याचिका में उपलब्ध सूचना के अनुसार सभी ज्ञात निर्यातकों को प्राधिकारी द्वारा प्रश्नावली की प्रतियां भिजवाई गई थी । किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्यातक अथवा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एम ई टी) प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया । अतः गैर बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पना का खण्डन नहीं किया गया, इसलिए प्राधिकारी चीन जन गण के निर्यातकों/उत्पादकों को गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अंतर्गत प्रचालित मानते हुए आगे की कार्रवाई कर रहे हैं ।

14. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी चीन के निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अनुबंध 1 के पैराग्राफ 1 से 6 में उल्लिखित सिद्धांतों को लागू करने में असमर्थ हैं । अतः चीन जन गण के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में उल्लिखित गैर बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी नियमों के अनुसार किया जाता है ।

15. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा संरचित मूल्य अथवा ऐसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों अथवा जहां यह संभव नहीं है वहां भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से प्रदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत के आधार पर किया जाना अपेक्षित है । बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में सामान्य मूल्य के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा कोई आंकड़े अथवा सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई । इस मामले में निर्यातकों/उत्पादकों ने भी कोई उत्तर नहीं दिया । अतः अन्य किसी विकल्प के अभाव में प्राधिकारी ने "किसी अन्य" उचित आधार की विधि का सहारा लेते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है ।

### सामान्य मूल्य

इन परिस्थितियों में प्राधिकारी ने ट्राइमैथोप्रिम (टी एम पी) के विनिर्माण हेतु कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों, घरेलू उद्योग के खपत मानदण्डों एवं उचित लाभ पर विचार करके सामान्य मूल्य संरचित किया है । उपर्युक्त के बारे में उपलब्ध सूचना के आधार पर जांच अवधि के दौरान 1 अम

डालर = 45.57 रुपये की औसत विनिमय दर के अनुसार सामान्य मूल्य \*\*\*\*\* अम.डा.प्रति किलोग्राम आकलित किया गया है।

### निर्यात कीमत

17. प्राधिकारी ने आयातों की सौदेवार जानकारी डी जी सी आई एण्ड एस से प्राप्त की है। यह पाया गया कि ट्राइमेथोप्रिम (टी एम पी) हेतु आशयित सीमाशुल्क कोड में कुछ अन्य उत्पादों (अर्थात् मेट्रोइण्डाजोल, डाइएजेबी - साइक्लो, सोडियम डाइक्लोरो फिनाइल आदि) का भी उल्लेख किया जा रहा है। निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु विश्लेषण करते समय ऐसे सौदों को छोड़ दिया गया है।

18. निर्यात कीमत का निर्धारण जांच अवधि के लिए डी जी सी आई एण्ड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदेवार ब्यौरे के आधार पर किया गया है। भारत औसत निर्यात कीमत का सी आई एफ मूल्य 667.43 रुपए/किग्रा (14.65 अम.डालर/किग्रा.) था। अंतर्देशीय मालभाड़े के लिए \*\*\*\*\* अम डालर/किग्रा., समुद्री मालभाड़े के लिए \*\*\*\*\* अम डालर/किग्रा एवं समुद्री बीमे के लिए \*\*\* अम डालर/किग्रा और पत्तन व्यय के लिए \*\*\* अम डालर/किग्रा के समायोजन के उपरान्त कारखाना द्वार निर्यात कीमत की गणना \*\*\*\*\* अम.डालर/किग्रा (जांच अवधि के दौरान 1 अम.डालर = 45.57 रुपये) की गई है।

19. उपर्युक्त व्ययों के अलावा बैंक प्रभार के रूप में किए गए दावे तथा निवल निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु डी आई द्वारा बाहर रखने के कमीशन की अनुमति नहीं दी गई है।

### पाटन मार्जिन

20. ऊपर यथा निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया:-

निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य अम डालर/किग्रा.	निर्यात कीमत अम डालर/किग्रा.	पाटन मार्जिन अम डालर/किग्रा.	पाटन मार्जिन %
चीन जन गण के सभी निर्यातक	***	***	***	15.88

### क्षति एवं कारणात्मक संबंध

#### क्षति का जारी रहना

#### घरेलू उद्योग के विचार

घरेलू उद्योग के विचार, संक्षेप में निम्नानुसार हैं :-

21. पाटनरोधी शुल्क लगाने से घरेलू उद्योग को अपना कार्य निष्पादन सुधारने में सहायता मिली है। शुल्क लगाने के बाद घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भी सुधार हुआ। पहले हुआ घाटा अत्यधिक था और पाटनरोधी शुल्क लगाने पर घाटा वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान \*\*\* % कम हो गया। निवेश से आय तथा नकद लाभ में भी यही प्रवृत्ति देखी गई। इसके विपरीत

मांग तथा उतदन में वृद्धि के बावजूद बाजार हिस्से में गिरावट आई, जैसा कि घरेलू उद्योग ने अपने प्रस्तुतीकरण में उल्लेख किया है, जिसके परिणामस्वरूप मालसूची में वृद्धि हुई। आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में क्षमता उपयोग में जांच अवधि के दौरान \*\*\*% से अधिक की गिरावट आई। इसके अलावा, उत्पादन में वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग की उत्पादकता में गिरावट आई। आयातों की कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से बहुत कम रहने का दावा किया गया है। अपने प्रस्तुतीकरण में घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि यद्यपि पाटनरोधी शुल्क लगाने से उसे अपना कार्य निष्पादन सुधारने में कुछ सीमा तक सहायता मिली है, तथापि घरेलू उद्योग की स्थिति अभी भी खराब है क्योंकि सुधार की शुरुआत तो हुई है, परन्तु घाटे का परिवर्तन लाभ में नहीं हुआ है अतः सकारात्मक वृद्धि को स्थिर बनाए रखने के लिए संरक्षण की मांग की गई है। घरेलू उद्योग का दावा है कि यदि वर्तमान में लागू शुल्क वापस ले लिए जाते हैं तो क्षति की पुनरावृत्ति हो सकती है। उन्होंने अपने प्रस्तुतीकरण में दावा किया है कि उपाय वापस ले लेने की स्थिति में चीन से आयातों की मात्रा तथा कीमतों के कारण घरेलू उद्योग के लिए और भी जोखिम उत्पन्न हो जाएगा। उनके द्वारा इंटरनेट के माध्यम से संकलित सूचना एवं Made in china.com से डाउनलोड की गई जानकारी के अनुसार चीन की उत्पादन क्षमता 9200 मी.टन/प्रति वर्ष है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

22. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर प्राधिकारी ने विचार किया है। सत्यापित तथ्यों से निरंतर घाटा होने का उनका दावा प्रमाणित होता है, यद्यपि यह कम पैमाने पर है क्योंकि चीन जन गण पर पाटनरोधी शुल्क पहले ही लगाया गया है। चीन जन गण के संबंध में अंतिम निर्धारण के बारे में प्राधिकारी ने यह अभिनिश्चित किया है कि संबद्ध देशों से आयात पाटित कीमतों पर किए गए थे क्योंकि पाटनरोधी शुल्क लागू रहने के बावजूद पहुँच मूल्य क्षति रहित कीमत की तुलना में बहुत कम है। अतः क्षति एवं कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों के आयातों को पाटित आयात माना गया है।

23. पाटनरोधी अधिनियम के अनुच्छेद 3.1 तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ॥ में निम्नलिखित दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच का प्रावधान है; (क) पाटित आयातों की मात्रा एवं समान उत्पाद हेतु घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) पाटित आयातों की मात्रा के प्रभाव के संबंध में इन आयातों का ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर प्रभाव। प्राधिकारी से यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या निरपेक्ष रूप से अथवा सदस्य आयातक के उत्पादन अथवा उपभोग के सापेक्ष आयातों में वृद्धि का कोई उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा है। जहां तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का प्रश्न है, प्राधिकारी से यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या आयातक देश में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण कोई उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है अथवा ऐसे आयातों का उद्देश्य कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक मंदी लाना अथवा कीमत वृद्धि को रोकना था, जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक होती।

24. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा व कीमत प्रभाव की जांच की है और क्षति के अस्तित्व और पाटन व क्षति के बीच कारणात्मक संबंध; यदि कोई हो, की जांच हेतु कीमत तथा लाभप्रदता पर इसके प्रभाव की जांच की है।

**मात्रा का प्रभाव**

25. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा के प्रभाव की जांच निम्नानुसार की गई:

**आयात की मात्रा एवं संबद्ध देशों का हिस्सा****डी जी सी आई एण्ड एस के अनुसार आयातों में बाजार हिस्सा**

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	अक्टूबर 05 - सितम्बर 06
आयातों में बाजार हिस्सा					
आयात - चीन	मी. टन	45.82	64.31	119.67	156.55
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	140	261	342
आयात - अन्य देश	मी. टन	8.22	-	-	-
कुल आयात	मी. टन	54.04	64.31	119.67	156.55
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	119	221	290
आयातों में बाजार हिस्सा					
आयात - चीन	%	84.79	100.00	100.00	100.00
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	118	118	118
आयात - अन्य देश	%	15.22	-	-	-

26. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकीय महानिदेशालय (डी जी सी आई एण्ड एस) द्वारा प्रदत्त आयातों के सौदेवार ब्यौरे यह दर्शाते हैं कि जांच अवधि तथा पिछले वर्षों के दौरान आयातों में वृद्धि होती रही है। डी जी सी आई एण्ड एस द्वारा प्रदत्त सूचना दर्शाती है कि आधार वर्ष से जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में 242 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यद्यपि आधार वर्ष 2003-04 में चीन के अलावा अन्य देशों से भी कुछ आयात किया गया, तथापि ये पूर्णतः बंद हो गए और जांच अवधि के दौरान कुल आयात में चीन से आयात का हिस्सा 100 प्रतिशत था।

**घरेलू उद्योग का उत्पादन**

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	अक्टूबर 05 - सितम्बर 06
क्षमता	मी. टन	690	690	690	690
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	100	100	100
उत्पादन	मी. टन	431	395	376	360
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	92	87	83
क्षमता उपयोग	%	62.52	57.27	54.54	52.12
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	92	87	83

27. उपर्युक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि आधार वर्ष 2003-04 से 2004-05, 2005-06 तथा जांच अवधि तक घरेलू उद्योग की क्षमता स्थिर बनी रही है। इसके विपरीत क्षमता की तुलना में उत्पादन लगातार घटता गया और यह कमी 2004-05 में 8 प्रतिशत, 2005-06 में 13 प्रतिशत और आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि में बहुत अधिक घटकर 17 प्रतिशत हो गई। उत्पादन में गिरावट के अनुरूप क्षमता उपयोग में भी निरंतर गिरावट आती रही।

**घरेलू उद्योग की बिक्री**

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	अक्तूबर, 05 - सितम्बर, 06
बिक्री-घरेलू	मी. टन	315.88	274.91	231.24	240.43
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100.00	87.03	73.20	76.11
बिक्री-निर्यात	मी. टन	115.39	131.83	139.36	130.24
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100.00	114.24	120.77	112.87
कुल बिक्री	मी. टन	431.27	406.74	370.60	370.66
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100.00	94.31	85.93	85.95
कैप्टिव सहित घरेलू बिक्री	मी. टन	315.88	274.91	231.24	240.43
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100.00	87.03	73.20	76.11

28. आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि पाटनरोधी शुल्क के लागू होने के बावजूद घरेलू बिक्री में गिरावट जारी रही और मूल अवधि वर्ष 2003-04 की तुलना में जाँच अवधि में लगभग 24% की गिरावट आई। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि हालांकि उनकी काफी बिक्री हुई फिर भी दोनों प्रकार की बिक्रियों का योग उनकी उत्पादन क्षमता के बराबर नहीं था और मूल वर्ष 2003-04 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान समग्र बिक्री पर गिरावट 14% के आसपास थी।

**माँग तथा बाजार हिस्सा**

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	अक्तूबर, 05 - सितम्बर, 06
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. टन	316	275	231	240
आयात	मी. टन	54	64	120	157
माँग	मी. टन	370	339	351	397
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	92	95	107
माँग में बाजार हिस्सा					
चीन	%	12.39	18.96	34.10	39.44
अन्य देश	%	2.22	-	-	-
घरेलू उद्योग	%	85.39	81.04	65.90	60.56

29. आंकड़ों से प्रदर्शित होता है कि यद्यपि मूल वर्ष 2003-04 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान माँग में 7% की वृद्धि हुई, संबद्ध देश का बाजार हिस्सा मूल वर्ष 2003-04 के 12% की तुलना में बढ़कर जाँच अवधि में 39% हो गया। इसके विपरीत घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट जारी रही जो मूल वर्ष 2003-04 में 85% से गिर कर जाँच अवधि के दौरान 61% तक हो गई। माँग में अन्य देशों का हिस्सा जो मूल वर्ष के दौरान 2% था, जाँच अवधि के दौरान शून्य हो गया था।

**घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव**

30. कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत अवमूल्यन तथा कीमत ह्रास, यदि कोई है, के संदर्भ में संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़े प्रभाव की जाँच की गई है। इस विश्लेषण के उद्देश्य से घरेलू उद्योग की भारित औसत उत्पादन लागत, भारित औसत निवल बिक्री आय (एनएसआर) तथा क्षति रहित कीमत (एनआईपी) (घरेलू उद्योग की लागत सूचना के आधार पर आकलित) की तुलना संबद्ध देश से आयातों के पहुँच मूल्य से की गई है। एनएसआर का निर्धारण विशेष रूप से पीयूसी के उत्पादन हेतु आय का औसत निकाल कर किया गया है जिसमें उत्पादन शुल्क तथा कारखाना-द्वार स्तर से इतर होने वाले व्ययों जैसे बिक्री कमीशन, बाहरी मालभाड़ा आदि को शामिल नहीं किया गया।

**कीमत कटौती**

विवरण	इकाई	जाँच अवधि
कीमत कटौती/कीमत अवमूल्यन		
निर्यात कीमत	रु./कि.ग्रा.	XXX
पहुँच मूल्य-चीन	रु./कि.ग्रा.	XXX
निवल बिक्री आय	रु./कि.ग्रा.	XXX
कीमत कटौती	रु./कि.ग्रा.	XXX
कीमत कटौती	%	XXX
कीमत कटौती (वर्ग)	%	10-15%

**कम कीमत पर बिक्री**

विवरण	इकाई	जाँच अवधि
निवल बिक्री आय	रु./कि.ग्रा.	XXX
क्षति रहित कीमत	रु./कि.ग्रा.	XXX
पहुँच मूल्य	रु./कि.ग्रा.	XXX
कम कीमत पर बिक्री	रु./कि.ग्रा.	XXX
कम कीमत पर बिक्री (%)	%	XXX
कम कीमत पर बिक्री (वर्ग)	%	5%-10%

31. जाँचाधीन अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु हेतु पाटित आयातों के भारित औसत पहुँच मूल्य तथा घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमत की तुलना की गई। संबद्ध देश से आयातों का पहुँच मूल्य जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु हेतु घरेलू उद्योग की निवल बिक्री आय से कम था जिसके परिणामस्वरूप जाँच अवधि के दौरान कटौती 10-15% के वर्ग में थी।

32. कम कीमत पर बिक्री क्षति मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण संकेतक है; अतः माइक्रोनाइजेशन तथा उत्पादन लागत के आकलन हेतु छोड़ी गई वसूलियों के समान अन्य प्रभावों पर वसूलियों को छोड़कर प्राधिकारी ने क्षतिरहित कीमत का आकलन किया है। इसकी तुलना पहुँच मूल्य से की गई है ताकि कम कीमत पर बिक्री की सीमा का आकलन किया जा सके। जाँच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की

उत्पादन लागत के समुचित निर्धारण द्वारा घरेलू उत्पादक हेतु क्षति रहित कीमत का मूल्यांकन किया गया है। विश्लेषण से पता चलता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का भारत औसत पहुँच मूल्य जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग हेतु निर्धारित क्षति रहित कीमत से कम है। कम कीमत पर बिक्री मार्जिन जाँच अवधि के दौरान 5% से 10% के बीच था।

### अन्य क्षति मानकों की जाँच

33. घरेलू उद्योग की मात्राओं तथा कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा प्रमुख क्षति संकेतकों जैसे आयातों की मात्रा तथा मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता प्रयोग तथा बिक्री के साथ-साथ पिछले खंड में विभिन्न वर्गों के बाजार हिस्से के माँग पैटर्न की जाँच करने के बाद, अन्य आर्थिक मानकों, जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी दर्शा सकते हैं, का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है :-

### लाभ तथा नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	अक्टूबर, 05 - सितम्बर, 06
लाभप्रदता					
भारत बिक्री लागत	रु./कि.ग्रा.	xxx	xxx	xxx	xxx
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	113	111
बिक्री कीमत भारत	रु./कि.ग्रा.	xxx	xxx	xxx	xxx
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	112	122
लाभ/हानि	रु./कि.ग्रा.	xxx	xxx	xxx	xxx
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(127)	(115)	(58)
कुल पीबीआईटी- घरेलू	लाख रु.	xxx	xxx	xxx	xxx
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(111)	(80)	(34)
नकद लाभ	लाख रु.	xxx	xxx	xxx	xxx
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(118)	(86)	(35)

34. घरेलू उद्योग की व्यापारी बिक्री की लाभप्रदता का विश्लेषण कंपनी के रिकार्डों से किया गया है और उपरोक्त तालिका में सत्यापित मदों का ब्यौरा दिया गया है।

35. मूल वर्ष 2003-04 की तुलना में वर्ष 2004-05 के दौरान बिक्री लागत में 3% की गिरावट आई लेकिन वर्ष 2005-06 तथा जाँच अवधि के दौरान उसमें क्रमशः 13% तथा 11% की वृद्धि हुई। वर्ष 2004-05 में निवल बिक्री कीमत में 10% की गिरावट हुई लेकिन मूल वर्ष 2003-04 की तुलना में वर्ष 2005-06 तथा जाँच अवधि के दौरान आय में क्रमशः 12% तथा 22% की वृद्धि हुई। प्रति इकाई घाटा, जो मूल वर्ष में 100 सूचीबद्ध था, वर्ष 2004-05 में बढ़कर 127 हो गया था लेकिन इसके बाद घाटा कम हुआ और जाँच अवधि के दौरान केवल 58 रहा था।

**रोजगार तथा वेतन**

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	अक्टूबर, 05 - सितम्बर, 06
रोजगार					
कर्मचारी	सं.	xxx	xxx	xxx	xxx
कर्मचारियों को दिया गया वेतन	लाख रु.	xxx	xxx	xxx	xxx
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	137	126	122
प्रति कि. ग्रा. उत्पादन पर वेतन	रु.	xxx	xxx	xxx	xxx
प्रति कि. ग्रा. उत्पादन पर वेतन	सूचीबद्ध	100	149	144	147

36. यह पाया गया कि इन्वेन्टा कैमिकल्स, हैदराबाद के कर्मचारियों की संख्या अन्य घरेलू उत्पादक, अर्थात् पंजाब कैमिकल्स से पाँच गुना अधिक थी, जबकि जाँच अवधि के दौरान इन्वेन्टा कैमिकल्स के उत्पादन की मात्रा घरेलू उत्पादक की 150% थी। कर्मचारियों की अधिक संख्या का प्रमुख कारण यही है कि इन्वेन्टा कैमिकल्स विचाराधीन उत्पाद का निर्माण पैरासिरिसोल रूट से कर रहा है जबकि पंजाब कैमिकल्स इसका निर्माण टीएम बीए रूट से कर रहा है। मूल वर्ष 2003-04 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या में लगभग 15% की कमी आई है। इसके विपरीत कर्मचारियों को दिए गए वेतन में लगभग 22% की वृद्धि हुई है। स्पष्टीकरण माँगे जाने पर बताया गया कि वर्ष 2004-05 में वेतन संशोधन लागू हुआ जिसके कारण वेतन में अचानक उछाल आया। इसके बाद से वेतन लगभग स्थिर रहे हैं।

**उत्पादकता**

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	अक्टूबर, 05 - सितम्बर, 06
उत्पादकता					
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी. टन	xxx	xxx	xxx	xxx
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	103	98

37. मूल वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान प्रति व्यक्ति उत्पादन गिर कर 98% हो गया।

**वस्तुसूचियाँ**

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	अक्टूबर, 05 - सितम्बर, 06
औसत वस्तु सूचियाँ	कि. ग्रा.	xxx	xxx	xxx	xxx
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	58	35	85

38. औसत वस्तु सूची (बिक्री दिनों की संख्या के लिए पर्याप्त) से प्रदर्शित होता है कि यह वर्ष 2003-04 में \*\*\* दिनों के बराबर थी और जाँच अवधि के दौरान बढ़कर \*\*\* दिन हो गई (वर्ष 2003-04 के दौरान कुल बिक्री 315884 कि. ग्रा. थी जो जाँच अवधि के दौरान गिर कर 240425 कि. ग्रा. रह गई थी)।

#### निवेश पर आय तथा पूँजी जुटाने की क्षमता

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	अक्टूबर, 05 - सितम्बर, 06
नियोजित पूँजी- एनएफए आधार	लाख रु.	XXX	XXX	XXX	XXX
नियोजित पूँजी पर आय	%	XXX	XXX	XXX	XXX
प्रवृत्तियाँ	सूचीबद्ध	(100)	(158)	(86)	(37)

39. जाँच अवधि में नियोजित पूँजी पर आय (पीबीआईटी) नकारात्मक ही रही लेकिन नकारात्मकता में काफी कमी आई। वर्ष 2003-04 में यह ऋणात्मक 100 पर सूचीबद्ध थी, इसके बाद सूचकांक चढ़ा और जाँच अवधि के दौरान यह गिरावट केवल 37 थी।

#### लाभ तथा नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित लाभ

40. घरेलू उद्योग एक बहु-उत्पाद कंपनी है इसलिए उत्पाद के नकद प्रवाह के वास्तविक परिमाण का निर्धारण संभव नहीं था।

#### कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

41. संबद्ध देश से निर्यात कीमतों के मूल्यांकन से यह पता चलता है कि इसमें आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि में 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। सीमाशुल्क में भी आधार वर्ष से जाँच अवधि तक गिरावट आती रही है। 2003-04 में 25 प्रतिशत से यह जाँच अवधि में घटकर 15 प्रतिशत और 12.5 प्रतिशत हो गयी। निर्यात कीमत में कमी और सीमाशुल्क में कमी के सम्मिलित प्रभाव के परिणामस्वरूप संबद्ध वस्तुओं के पहुँच मूल्य पर असर पड़ा।

#### कारणात्मक संबंध

##### अन्य ज्ञात कारक

##### अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा तथा कीमतें

42. जाँच अवधि के दौरान आयात केवल चीन जन गण से हुए हैं। अतः अन्य स्रोत घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संभावित कारक नहीं हैं।

#### मांग में संकुचन और/खपत के ढंग में परिवर्तन

43. संबद्ध वस्तु की कुल मांग में उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित होती है। यह आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में बढ़कर जाँच अवधि में 7 प्रतिशत अधिक हो गई और इसलिए यह कारक वह संभावित कारण नहीं हो सकता जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

### विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियाँ और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

44. संबद्ध वस्तुएं मुक्त रूप से आयात योग्य हैं और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियाँ मौजूद नहीं हैं। अतः यह कारक घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं हो सकता था।

### प्रौद्योगिकी का विकास और निर्यात निष्पादन

45. प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी से संबंधित मुद्दों को किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारण रूप में नहीं उठाया गया है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान निर्यात करना सतत रूप से जारी रखा जैसा कि वे क्षति अवधि के दौरान कर रहे थे। यह भी देखा गया है कि निर्यात वसूली घरेलू बिक्री वसूली से बहुत ज्यादा है और यह 50 प्रतिशत बेसी है और यह घरेलू उद्योग के हर्ष का स्रोत रही है क्योंकि इसने उसे घरेलू बिक्री में हुई कुछ घाटे से उबरने में उन्हें सहायता दी थी और इसीलिए इस कारक के घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण होने का प्रश्न नहीं उठता।

### घरेलू उद्योग की उत्पादकता

46. घरेलू उद्योग की क्षमता स्थिर रही है और घरेलू उद्योग की उत्पादकता में गिरावट आई है। इसमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 2 प्रतिशत की गिरावट आई है। कर्मचारियों की मजदूरी में आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और उत्पादन की प्रति इकाई मजदूरी में 2004-05 में वृद्धि हुई और तत्पश्चात यह जांच अवधि तक स्थिर रही थी।

### पाटन तथा क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना

47. घरेलू उद्योग ने पाटन तथा क्षति के जारी रहने की संभावना के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

क. घरेलू उद्योग को हुई क्षति की समीक्षाधीन अपेक्षाओं के संदर्भ में जांच की जानी अपेक्षित है। इस संबंध में, आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में पहले ही कटौती कर रहे हैं और घरेलू उद्योग को अपने उत्पाद उन कीमतों पर बेचने को बाध्य होना पड़ रहा है जिनसे निवेश पर तर्कसंगत आय की बात तो दूर, उत्पादन की पूरी लागत को वसूल कर पाना भी मुश्किल होता है। इस स्थिति में, यदि मौजूदा शुल्कों को हटा लिया जाता है तो कीमत कटौती के परिणामस्वरूप आयातों में आगे और वृद्धि होगी जिससे पाटन तथा क्षति और ज्यादा गहन हो जाएंगे यदि उन कीमतों को देखा जाए जिन पर से निर्यातक सामग्री का निर्यात कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग का निष्पादन विचाराधीन अवधि के दौरान प्रतिकूल रहा है तथा यह संभावना है कि पाटनरोधी उपायों को हटाए अपने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को और अधिक क्षति होगी।

ख. विचाराधीन उत्पाद के लिए चीन में उत्पादन क्षमता घरेलू मांग की तुलना में काफी अधिक है जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि चीन के उत्पादक, शुल्क लगाए जाने के बावजूद भारत में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात कर रहे हैं। यदि मौजूदा उपायों को विलोपित करने की अनुमति दी जाती है तो यह संभावना है कि अप्रयुक्त उत्पादन क्षमता के अत्यधिक भाग का उपयोग भारतीय बाजार को

पाटने के लिए किया जाएगा। उन आयातों जिन पर आयात किए जा रहे थे, पर विचार करते हुए यह विश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि भावी कीमतें इनसे अधिक होंगी यदि मौजूदा शुल्कों को हटा लिया जाता है।

ग. घरेलू उद्योग का यह विचार है कि ऐसे कम कीमत वाले आयातों के घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव की जांच करते समय निम्नलिखित प्रासंगिक है:-

48. याचिकाकर्ताओं ने यह सुझाव देने के लिए कि लागू मौजूदा शुल्कों को हटा लिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने की संभावना है निम्नलिखित कारकों को आगे और रेखांकित किया है:

क. वर्तमान पाटन मार्जिन का स्तर:- यह तर्क दिया गया है कि पाटन मार्जिन बहुत ज्यादा है और पहले निष्पादित की गई जांच में भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अत्यधिक पाटन मार्जिन पाया था।

ख विदेशी उत्पादकों का निर्यात उन्मुखीकरण:- यह बताया गया है कि चीन के उत्पादकों ने अपनी घरेलू मांग से बहुत ज्यादा क्षमताएं निर्मित कर रखी हैं। आगे यह तर्क दिया गया है कि क्षमताएं निर्यात बाजार को देखते हुए सृजित की गई हैं और इस स्थिति में शुल्क को हटाए जाने के परिणामस्वरूप भारतीय बाजार ऐसे पाटित माल से पट जाएगा।

ग. प्रचुर उत्पादन क्षमता:- घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि भारत और चीन संबद्ध वस्तु के प्रमुख उत्पादक हैं जो संबद्ध वस्तु की वैश्विक मांग को पूरा करते हैं। चीनी उत्पादकों ने अपनी घरेलू मांग की तुलना में कहीं ज्यादा क्षमताएं स्थापित कर रखी हैं जो 15000 मी.टन की उत्पादन क्षमता की तुलना में लगभग 800 मी.टन बताई जाती है और वास्तविक उत्पादन 9200 मी.टन बताया जाता है।

49. निर्दिष्ट प्राधिकारी नोट करते हैं कि इंटरनेट से डाउनलोड की गई सूचना के रूप में घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए साक्ष्य से यह पता चलता है कि विचाराधीन उत्पाद के लिए चीन में सृजित की गई क्षमताएं काफी हैं और चीन जन गण में संबंधित उत्पाद की मांग की तुलना में अधिक हैं। इसके अलावा, चीन के उत्पादकों ने शुल्क के लगाए जाने के बावजूद संबंधित उत्पाद का पाटन करना जारी रखा है। अतः यह विश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि चीन के उत्पादक शुल्क हटाए जाने की स्थिति में बड़ी मात्रा में संबद्ध वस्तु का पाटन नहीं करेंगे। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी यह निर्धारण करते हैं कि यदि शुल्क को हटाया जाए तो पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना है।

### निष्कर्ष

50 पाटन के मौजूदा स्तर, क्षति, कारणात्मक संबंध और पाटन व क्षति के जारी रहने की संभावना की उपर्युक्त जांच के आधार पर प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि:-

- क) संबद्ध वस्तुओं का चीन जन गण से भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रवेश करना जारी है;
- ख) घरेलू उद्योग पाटित आयातों की वजह से वास्तविक क्षति का सामना कर रहा है;
- ग) यदि शुल्क वापस लिया जाता है तो संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पाटन और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के जारी रहने की संभावना है।

## भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

51. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन पाटन की अनुचित व्यापार प्रथा द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निराकरण करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली तथा निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके। पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयातों को किसी भी प्रकार से रोकने की मंशा अथवा उन पर प्रतिबंध लगाना नहीं है, और इसीलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं होगा।

## अंतिम जाँच परिणाम

52. उठाए गए मुद्दों, मुहैया कराई गई सूचना और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए अभ्यावेदनों और हितबद्ध पक्षकारों के अभ्यावेदनों के माध्यम से प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध अथवा अन्यथा उपर्युक्त जाँच परिणाम में रिकॉर्ड किए गए तथ्यों पर विचार करते हुए और पाटन की मौजूदा और संभावित स्थिति और क्षति और पाटन व क्षति के जारी रहने अथवा आवृत्ति होने की संभावना के विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि:

(i) संबद्ध वस्तुएं भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही हैं और संबद्ध देश से पाटन मार्जिन वास्तविक और न्यूनतम स्तर से अधिक है। यदि मौजूदा उपायों को वापस लिया जाता है तो संबद्ध वस्तुओं के भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रवेश करने की संभावना है। अतः यह स्थापित नहीं हुआ है कि पाटन को निष्प्रभावी करने के लिए शुल्क को जारी रखना अनावश्यक है;

(ii) यद्यपि घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि के दौरान अपने निष्पादन में सुधार किया है तथापि, घरेलू उद्योग की स्थिति नाजुक बनी हुई है। इसके अलावा, यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को हटाया जाता है तो घरेलू उद्योग को हुई क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

53. इस निष्कर्ष पर पहुँचकर कि घरेलू उद्योग की स्थिति नाजुक बनी हुई है तथा यदि शुल्क हटा लिया जाए तो संबद्ध देशों से आयातों के कारण पाटन व क्षति के जारी रहने अथवा पुनः शुरू होने की संभावना है, प्राधिकारी का यह मत है कि इन देशों से आयात के विरुद्ध उपायों को जारी रखना आवश्यक है। तथापि, संबद्ध देशों से पाटन के मौजूदा स्तर तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के मद्देनजर लागू पाटनरोधी शुल्क को संशोधित किए जाने की आवश्यकता है। अतः प्राधिकारी संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने को आवश्यक मानते हैं तथा इसकी सिफारिश करते हैं।

54. प्राधिकारी घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निराकरण करने की दृष्टि से चीन से ट्राइमेथोप्रिम (टी एम पी) के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने को आवश्यक मानते हैं। प्राधिकारी पाटन के मार्जिन के बराबर या कम पाटनरोधी शुल्क, जिसे लगाए जाने पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निराकरण हो सके, की राशि की सिफारिश करते हैं। क्षति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना, जाँच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की भारित औसत क्षति रहित कीमत से की गई है।

55 तदनुसार, प्राधिकारी चीन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ट्राइमेथोप्रिम (टी एम पी) जो, को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के सीमाशुल्क शीर्ष 29335920 के अंतर्गत आता

है, के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं । पाटनरोधी शुल्क कॉलम 9 में उल्लिखित राशि तथा आयातों के पहुँच मूल्य के बीच अंतर के बराबर होगा ।

क्र.सं.	उप शीर्ष	वस्तु का विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि रु०	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	2933 5920	ट्राइमेथोप्रिम	कोई ग्रेड	चीन जन गण	चीन	कोई	कोई	826	किग्रा.	भारतीय रुपए
2	2933 5920	ट्राइमेथोप्रिम	कोई ग्रेड	चीन जन गण से इतर कोई अन्य	चीन जन गण	कोई	कोई	826	किग्रा.	भारतीय रुपए
3	2933 5920	ट्राइमेथोप्रिम	कोई ग्रेड	चीन जन गण	कोई	कोई	कोई	826	किग्रा.	भारतीय रुपए

56 इस सिफारिश के संदर्भ में केन्द्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई अपील अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी ।

57. प्राधिकारी अधिनियम के संगत प्रावधानों तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के अनुसार समय-समय पर इसमें की गई सिफारिशों के अनुसार निश्चयात्मक उपायों को जारी रखने, उसमें संशोधन करने अथवा उन्हें समाप्त करने की आवश्यकता की समीक्षा करेंगे ।

ऐसी समीक्षा के लिए किसी भी अनुरोध पर प्राधिकारी द्वारा तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक इसे इस प्रयोजनार्थ निर्धारित समय-सीमा के भीतर हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत न किया जाए ।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 14th December, 2007.

**FINAL FINDINGS (SUNSET REVIEW)**

**Subject : Anti-dumping (Sunset Review) investigation concerning import of Trimethoprim originating in or exported from China PR.**

**No. 15/26/2006-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

**A. BACKGROUND OF THE CASE**

i). WHEREAS, having regard to above Rules the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority) initiated an antidumping investigation on 23<sup>rd</sup> July 2001 into alleged dumping of Trimethoprim originating in or exported from China PR and provisional antidumping duty was imposed on imports of Trimethoprim from China PR, vide customs notification No. 3/2002 dated 9<sup>th</sup> January 2002 on the basis of the preliminary findings of the Authority dated 7<sup>th</sup> Sept 2001. The final findings of the Authority were notified, vide notification dated 12<sup>th</sup> July 2002 and the Department of Revenue imposed definitive anti dumping duties on the subject goods, imported from China PR, vide notification no. 89/2002 dated 3<sup>rd</sup> Sept 2002.

ii). On the basis of a duly substantiated application filed by the Domestic Industry in 2006, in terms of Section 9A (5) of the said Act, requesting for continuation of the duty for a period of another five years, the Designated Authority initiated a sunset review proceedings against the said measure vide notification dated 29<sup>th</sup> December 2006, to examine whether the expiry of the duty would lead to continuation or recurrence of dumping and/or injury. Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> October 2005 to 30<sup>th</sup> September 2006 (POI). However, injury analysis was conducted for a period from 2003-04 to September 06.

**B. PROCEDURE**

I. In these proceedings the procedure described below has been followed:

- i) After initiation of the review the Authority sent questionnaires, along with the initiation notification, to the known exporters/producers in the subject country in accordance with the Rule 6(4), to elicit relevant information.

- ii) Notices were also sent to the domestic industry in India seeking relevant information in accordance with the Rules;
- iii) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their country to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- iv) Questionnaires were sent to the known importers and consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4),
- v) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigations;
- vi) Copies of the initiation notification were also sent to FICCI, CII and ASSOCHAM for wider circulation.
- vii) No exporter/producer and importer responded to the questionnaires.
- viii) M/s. Inventaa Chemicals Limited, Hyderabad and M/S Punjab Chemicals & Crop Protection Limited Unit-Alpha Drug, Lalru, Patiala, being domestic industry, submitted the information/data;
- ix) The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent possible on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to examine the injury suffered, to work out optimum cost of production, cost to make and sell the subject goods in India and so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- x) The Authority held a public hearing on 3.9.2007 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of the domestic industry alone. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of views expressed orally. The written submissions received from interested parties have been considered by Designated Authority in this determination;
- xi) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request.
- xii) The views expressed by various interested parties in response to the initiation notification and subsequent to the public hearing are discussed in the relevant paragraphs to the extent these are relevant as per rules and have a bearing upon the case. The arguments raised by the interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt in relevant paragraphs.
- xiii) Investigations were carried out for the period of investigation (POI) from 1<sup>st</sup> October 2005 to 30<sup>th</sup> September 2006 However injury analysis has been carried out for the years 2003-04, 2004-05 and 2005-06 and the period of investigation.

- xiv) Disclosure statement was issued on 3<sup>rd</sup> December 2007 and all interested parties were advised to make their comments known to the Designated Authority. However, none of the interested parties except domestic industry has offered comments. In their comments, domestic industry reiterated their previous submissions and requested the Designated Authority to continue the duty for further period of five years.
- xv) xxx in this Notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the AD Rules.

### **C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

2. The product involved in the original investigation was Trimethoprim (TMP). This being a Sunset review; therefore, the investigation covers the product covered in the original investigation.

3. Trimethoprim (TMP) is an organic chemical. It is a bulk anti-bacterial pharmaceutical ingredient directly used in formulations. Formulation of TMP is used in the combination of Sulphamethoxazole. TMP goes along with the combination of Sulphamethoxazole in 1:5 ratios by weight. There is no viable substitute for Trimethoprim. The chemical formula of TMP is as under:



The production of Trimethoprim involves five stages, which are; adduct formation, Compound formation, Sodium Methoxide formation, TMC formation and TMP purification. After purification there is another stage involving a second crop recovery.

4. The product is classified under Customs dedicated sub-heading no. 293359.20, of Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 and ITC No. 29335920. The Customs and ITC HS classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

5. The domestic industry also produces Trimethoprim (TMP) having similar characteristics and specifications. No argument has been extended, by any interested party, on the issue of product under consideration or like article and therefore, the Authority holds that the product being manufactured by the domestic industry and the product being manufactured and exported from the subject country is like articles as per 2(d) of Anti Dumping Rules.

### **DOMESTIC INDUSTRY**

6. In the original investigation the application for anti-dumping investigation was filed by M/s. Inventa Chemicals Limited, Hyderabad and M/S Punjab Chemicals & Crop Protection Limited (Unit-Alpha Drug, Lalru, Patiala) (formerly known as Alpha Drugs India Limited) on behalf of the domestic industry. In the present sunset review the information / data has been provided by the same two manufacturers /units i.e. M/s. Inventaa Chemicals Limited, Hyderabad and M/S Punjab Chemicals & Crop Protection Limited Unit-Alpha Drug, Lalru, Patiala and they continue to constitute the Domestic Industry.

## **INITIATION OF THE REVIEW AND ARGUMENTS RAISED**

### **Views of applicant domestic industry**

7. The present petition being a sunset review investigation for continuation and enhancement of existing Anti Dumping Duty in force, Domestic Industry has pleaded that as provided under section 9A(5), the Designated Authority is required to examine whether cessation of the existing duty is likely to lead to continuance or recurrence of dumping and injury. It has further been pleaded that the duty should remain in force to the extent necessary to counteract dumping which is causing injury. The Domestic Industry states that producers and exporters from China continued to dump material in the Indian market, which itself justify continued imposition of anti dumping duty. It has been pleaded that, continued dumping from China, even after duty in force, shows that present duty in force is not sufficient to provide due relief to the domestic industry and such being the situation, petitioners submit that duty is required to be continued for further period of five years with due enhancement.

8. Domestic industry has submitted that despite anti-dumping duty on Trimethoprim (TMP), dumping continued from the subject country. In their submissions they have stated that 'Given the volume of imports and level of prices at which the goods have been exported to India in spite of existence of anti-dumping duty, it is likely that volume of import would further increase in case anti-dumping duties are withdrawn. It has further been contended that the imposition of anti dumping duty on subject country have helped the Domestic Industry to improve its performance, however, the domestic industry has not been able to improve to the extent it should have and thus, there is a great likelihood of dumping and injury in case, duty in force is revoked. Regarding present state of performance, the domestic industry submitted that to maintain and increase their production and maintain its sales volume and Capacity utilization the existing anti-dumping duty should continue. They have contended that the Market share of the domestic industry has declined despite increase in demand and production, resulting in increase in inventory. Their contention is that significant losses have come down after the ADD was put in place the performance of the Domestic Industry has improved slightly but profits have continued to elude them. Landed price of imports, as per submissions made by them, is significantly below the net sales realization of the domestic industry. They have pleaded that the Imports are already undercutting the prices of domestic industry to a significant extent, and should the present duty be revoked, the extent of price undercutting would further increase. Their contention is that the performance of domestic industry was already adverse during the period under consideration (POI) and it is likely that revocation of anti-dumping measure would result in intensified injury to the domestic industry. It has also been submitted that as per understanding of the domestic industry the production capacity in China for the product under consideration is higher than their domestic demand and should the current measure be allowed to lapse, there is a threat that significant proportion of the unused production capability would be used to flood the Indian market.

### **Views of other interested parties**

9. No other interested parties have filed any response and did not put forwarded any submissions.

## **EXAMINATION BY THE AUTHORITY**

10. The Authority takes note of arguments put forth by the domestic industry regarding continued injury to the domestic industry. These arguments have been taken into account

while analyzing the injury to the domestic industry as also threat of recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

## **DUMPING MARGIN**

### Examination of Market Economy Treatment by the Authority

11. The Designated Authority, as per Para 8 (2) of the annexure 1 of Anti-Dumping Rules, for the purpose of assessing the normal value, proceeded with the presumption that any country that has been determined to be or has been treated as a non-market economy for the purposes of anti-dumping investigations by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three years period preceding the investigation is a non-market economy country. In the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by WTO members such as EU and USA. In the instant case China PR is being treated as a non-market economy country.

12. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals, reflecting supply and demand, and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

13. The Authority sent copies of the questionnaires to all the known exporters as per information available in the petition for the purpose of determination of normal value. No exporters/producer responded to either the Exporter's or the Market Economy Treatment (MET) questionnaire. Hence, the presumption of non-market economy remains un-rebutted, and therefore, the Authority is proceeding, treating exporters / producers in China PR as operating in non-market economy.

14. In view of the above, the Authority is unable to apply the principles set out in paragraph 1 to 6 of Annexure 1 for determination of normal value for the Chinese exporters. Therefore, the

normal value in respect of all exporters / producers from China PR is determined as per Rules relating to non-market economy as contained in Para 7 of Annexure 1 of AD Rules.

15. As per Para 7 of Annexure 1 of AD Rules, the Authority is required to determine normal value on the basis of 'price or constructed value in the market economy third country or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product.' No data or information was made available by the domestic industry about normal value in market economy third country. Exporters/Producers have also not responded in this case. The Authority, therefore, in absence of any other option, has determined the normal value by resorting to method 'any other' reasonable basis.

#### **Normal Value**

16. Under the circumstances, the authority has constructed the normal value by considering the raw material for manufacture of Trimethoprim (TMP) at the international prices, the consumption norms of the domestic industry and reasonable profit. Based on above information available, the normal value has been calculated USD xxx/ kg by considering the average exchange rate during POI of 1USD=Rs.45.57

#### **Export Price**

17. The Authority has collected transaction-wise information of imports as per DGCI&S. It was found that some other products (viz. Metroindazole, Diazabi-cyclo, Sodium Dichloro Phenyl etc.) are also being reported in the custom code meant for Trimethoprim (TMP). Such transactions are excluded from the analysis for determining the export price.

18. The export price has been determined on the basis of transaction-wise details provided by DGCI&S during POI the CIF value of weighted average export price was Rs.667.43/kg (US\$14.65/kg). After making adjustments on account of inland freight as US\$ xxx /Kg Ocean freight as US\$xxx/Kg and marine insurance as US xxx /Kg, port expenses as US\$xxx /Kg., the ex-factory export price has been calculated as US\$ xxx /Kg. (1 US\$ = Rs.45.57 during the POI).

19. Apart from above expenses, expenses claimed on account of bank charges and commission for exclusion by D.I. for arriving at net export price is not being allowed.

#### **Dumping Margin**

20. Based on the normal value and export price as determined above, the Authority determined the dumping margin as under:

Exporter/Producer	Normal Value USD/kg.	Export Price USD/kg.	Dumping Margin USD/kg.	Dumping Margin %
All exporters from China PR	xxx	xxx	xxx	15.88

**INJURY AND CAUSAL LINK****CONTINUATION OF INJURY****Views of the Domestic Industry**

Views of Domestic industry are summarized below:

21. Imposition of anti-dumping duty has helped the domestic industry to improve its performance. Profitability of the domestic industry improved after imposition of duty. The losses suffered earlier were huge and with ADD in place they were in position to cut down the losses by almost xxx % during POI compared to 2003-04. ROI and cash profit also followed the same trend. On the contrary, the market share, as put forth by the domestic industry in their submissions declined despite increase in demand and production resulting in increase in inventory. The Capacity utilization has declined by more than xxx % during POI over the base period, 2003-04. Further productivity of the domestic industry declined despite increase in production. Landed price of imports are claimed to be significantly below the net sales realization of the domestic industry. In their submissions they have pleaded that although the imposition of ADD has helped the industry to revive its performance to some extent, the situation of Domestic industry is still bad as it has only started to improve but losses have not converted into profits and further protection has been sought to stabilize its positive growth. Injury to the domestic industry, as claimed by them, is likely to recur in case present duty in force is revoked. The likely volumes and prices of imports from China subsequent to any repeal of measures would put the domestic industry at further risk as claimed by them in their submissions. The production capacity in China as per information gathered by them thru internet and downloaded from Made-in-China .Com is 9200 MT/ per year.

**Examination by the Authority**

22. The Authority has taken note of various arguments raised in regard to injury to the domestic industry. The facts verified substantiate their claim of continuing to make losses, though on a lesser scale since the anti dumping duty was put in place against China PR. In its final determination in respect of China PR, the Authority has determined that imports from subject country were at dumped prices as the landed value continues to be much lower compared to the non-injurious price even after the anti dumping duty being in place. Therefore, for the purpose of injury and causal link analysis, the imports from subject country have been treated as dumped imports.

23. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

4989 at / 2007-4

24. For the purpose of injury analysis the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

#### **Volume Effect**

25. The effects of volume of dumped imports from subject country have been examined as follows:

#### **Import Volumes and share of the subject country:**

##### **Market share in imports as per DGCIS**

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Oct05 - Sept06
<b><u>Market Share in Imports</u></b>					
Imports - China	MT	45.82	64.31	119.67	156.55
Indexed	Trend	100	140	261	342
Imports - Other Countries	MT	8.22	-	-	-
Total Imports	MT	54.04	64.31	119.67	156.55
Indexed	Trend	100	119	221	290
<b><u>Market Share in Imports</u></b>					
Imports - China	%	84.79	100.00	100.00	100.00
Indexed	Trend	100	118	118	118
Imports - Other Countries	%	15.22	-	-	-

26. The transaction-wise details of imports provided by Director General Commercial Intelligence and Statistics (DGCIS) shows that imports have continued to increase during POI and previous years. Information provided by DGCIS shows that imports from the subject country from base year to POI increased by 242%. Although there were some imports from countries other than China in the base year 2003-04, the same have totally stopped and import from China command 100% share in the total import during POI.

#### **Production of the Domestic Industry**

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Oct05 Sept06
Capacity	MT	690	690	690	690
Indexed	Trend	100	100	100	100
Production	MT	431	395	376	360
Indexed	Trend	100	92	87	83
Capacity Utilization	%	62.52	57.27	54.54	52.12
Indexed	Trend	100	92	87	83

27. The data shows that the capacity of the domestic industry continued to be constant from the base year 2003-04 through 2004-05, 2005-06 to POI. The production compared to the capacity on the contrary continued to decrease and this decrease was by 8% in 2004-05, 13%

in 2005-06 and whopping 17% during POI compared to the base year 2003-04. The capacity utilization also continued to slide down consistently in line with the decline in production.

### **Sales of Domestic Industry**

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Oct05 - Sept06
Sales - Domestic	MT	315.88	274.91	231.24	240.43
Indexed	Trend	100.00	87.03	73.20	76.11
Sales - Exports	MT	115.39	131.83	139.36	130.24
Indexed	Trend	100.00	114.24	120.77	112.87
Total Sales	MT	431.27	406.74	370.60	370.66
Indexed	Trend	100.00	94.31	85.93	85.95
Domestic Sales including Captive	MT	315.88	274.91	231.24	240.43
Indexed	Trend	100.00	87.03	73.20	76.11

28. The analysis of the data reveals that in spite of anti dumping duty in place, the domestic sales continued to decline and there was a drop of near about 24% in POI compared to the base period 2003-04. The data also reveals that even though they had considerable exports sales, the sum total of both kinds of sales could not match their production capacity and the decline on overall sales was in the vicinity of 14% during POI compared to base year 2003-04.

### **Demand and Market Share**

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Oct05 - Sept06
Sales of Domestic industry	MT	316	275	231	240
Imports	MT	54	64	120	157
Demand	MT	370	339	351	397
Indexed	Trend	100	92	95	107
Market Share in Demand					
China	%	12.39	18.96	34.10	39.44
Other Countries	%	2.22	-	-	-
Domestic industry	%	85.39	81.04	65.90	60.56

29. The data indicates that although the demand grew by 7% during POI as compared to base year 2003-04, the market share of subject country increased from 12% in base year 2003-04 to 39% during POI. The share of the domestic industry, on the contrary, continued to decline right through from 85% in base year 2003-04 to 61% during POI. The share of other countries in demand, which was 2% during the base year, became Nil during POI.

### **Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry**

30. The impact on the prices of the domestic industry on account of dumped imports from the subject country has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realisation (NSR) and

the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry (worked out on the basis of the costing information of the domestic industry) have been compared with landed value of imports from the subject country. . NSR has been arrived at by averaging realization exclusively for the production of PUC, without considering excise duty and expenses incurred beyond ex-factory level such as sales commission, outward freight etc

#### **Price Undercutting**

Particulars	Unit	POI
Price undercutting/ prices suppression		
Export Price	Rs./kg.	xxx
Landed Value-China	Rs./kg	xxx
Net Sales Realisation	Rs./kg	xxx
Price Undercutting	Rs./kg	xxx
Price Undercutting	%	xxx
Price Undercutting (Range)	%	10-15%

#### **Price Underselling**

Particulars	Unit	POI
Net Sales Realisation	Rs./kg.	xxx
Non Injurious Price	Rs./kg	xxx
Landed Value	Rs./kg	xxx
Price Underselling	Rs./kg	xxx
Price Underselling (%)	%	xxx
Price Underselling range	%	5%-10%

31. A comparison for subject goods during the period under investigation was made between the weighted average landed value of dumped imports and the domestic selling price in the domestic market. The landed value of imports from the subject country was lower than the net sales realization of the domestic industry for the subject goods during the POI and consequently the undercutting during POI was in the range of 10-15%

32. The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out a non injurious price after excluding the recoveries on account of micronisation and other charges at par with recoveries excluded for working out cost of production. This has been compared with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic producer by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The analysis shows that the weighted average landed value of the subject goods from subject countries is less than the non injurious price determined for the domestic industry during the period of investigation. The underselling margin was in the range of 5% to 10% during the POI.

#### **Examination of other Injury Parameters**

33. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which

could indicate existence of injury to the domestic industry, have been analysed hereunder as follows.

#### **Profits and Actual and Potential Effects on Cash Flow**

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Oct.05-Sep.06
Profitability					
Cost of sales weighted	Rs./kg	xxx	xxx	xxx	xxx
Trend	Indexed	100	97	113	111
Selling Price Weighted	Rs./kg	xxx	xxx	xxx	xxx
Trend	Indexed	100	90	112	122
Profit/ Loss	Rs./kg	xxx	xxx	xxx	xxx
Trend	Indexed	(100)	(127)	(115)	(58)
Total PBIT - Domestic	Rs. Lacs	xxx	xxx	xxx	xxx
Trend	Indexed	(100)	(111)	(80)	(34)
Cash Profit	Rs. Lacs	xxx	xxx	xxx	xxx
Trends	Indexed	(100)	(118)	(86)	(35)

34. The profitability of the merchant sales of the domestic industry has been analyzed from the records of the company and the table above gives the details of the verified particulars.

35. The cost of sales came down by 3% during 2004-05 from base year, 2003-04, but increased by 13% and 11% during 2005-06 and POI respectively. The net selling price saw a decrease of 10% in 2004-05 but there was a higher realisation by 12% and 22% respectively during 2005-06 and POI compared to the base year 2003-04. The loss per unit from base year indexed 100 was higher at 127 in 2004-05 but the losses came down subsequently and stood at only 58 during POI.

#### **Employment and Wages**

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Oct.05-Sep.06
Employment					
Employee	Nos.	xxx	xxx	xxx	xxx
Wages paid to employees	Rs. Lacs	xxx	xxx	xxx	xxx
Trend	Indexed	100	137	126	122
Wages per Kg. of production	Rs.	xxx	xxx	xxx	xxx
Wages per Kg. of production	Index	100	149	144	147

36. The employee base in Inventaa Chemicals, Hyderabad was noticed to be more than five times that of the other domestic producer, i.e., Punjab Chemicals, although the production volume of Inventaa Chemicals during POI was 150 % of other domestic producer, the higher number of employees was there primarily because Inventaa Chemicals have been

manufacturing the product under consideration from the Paraceresol route whereas Punjab Chemicals were manufacturing from TMBA route. Number of employees has decreased by around 15% during POI as compared to base year 2003-04. Wages paid to employees on the contrary have increased by around 22%. On being asked to explain, it was stated that there was a wage revision carried out in the year 2004-05 which resulted in an abrupt jump on account of wages which has subsequently remained more or less stagnant.

#### **Productivity**

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Oct.05-Sep.06
Productivity					
Productivity per employee	MT	xxx	xxx	xxx	xxx
Trend	Indexed	100	96	103	98

37. The production per employee declined to 98% during POI as compared to base year.

#### **Inventories**

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Oct.05-Sep.06
Average inventories	Kgs.	xxx	xxx	xxx	xxx
Trend	Indexed	100	58	35	85

38. The average inventory (sufficient for number of day's sales) shows that it was equivalent to xxx days in 2003-04 and increased to xxx days during POI (the total sales during 2003-04 stood at 315884 Kgs. which got reduced to 240425 Kgs. during POI).

#### **Return on Investment and Ability to Raise Capital**

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Oct.05-Sep.06
Capital Employed-NFA Basis	Rs. Lacs	xxx	xxx	xxx	xxx
Return on Capital Employed	%	xxx	xxx	xxx	xxx
Trends	Indexed	(100)	(158)	(86)	(37)

39. Return (PBIT) on capital employed continued to remain negative in POI but with a considerable decline in negativity element. Indexed at minus 100 in 2003-04, the index went up and the decline was only 37 during POI.

#### **Profits and actual and potential effects on the cash flow**

40. The domestic industry is a multi-product company therefore it was not possible to determine the actual magnitude of cash-flow of the product.

**Factor affecting prices**

41. Evaluation of export prices from subject country shows that it had been increasing from base year to POI by 45%. The customs duty has also been declining from base year to POI. From 25% in 2003-04 it declined to 15% and 12.5% during POI. The combined effect of decreased export price and reduced customs duty consequently impacted the landed value of subject goods.

**CAUSAL LINK****OTHER KNOWN FACTORS****Volume and prices of imports from other sources**

42. During the POI the imports have taken place only from China PR. Thus other sources are not possible factor causing injury to the domestic industry.

**Contraction in demand and / or change in pattern of consumption**

43. The total demand of the subject goods shows significant growth. It increased by 7% during POI as compared to the base year 2003-04 and therefore; this factor is not possible reason which could have caused injury to the domestic industry.

**Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

44. The subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. Therefore, this factor could not have been reason to cause injury to the domestic industry

**Development of technology and export performance**

45. Technology or technology related issues have not been raised by any interested party as cause of injury to the domestic industry. It is noted that the domestic industry has continued to export during POI consistently as have they be doing during injury periods. It is also seen that export realization is far in excess of the domestic sales realization and stands in excess of 50% and has been a source of cheer for the Domestic Industry as this has compensated them to make up for some losses incurred on Domestic Sales and therefore, this factor being a cause of injury to the domestic industry does not arise.

**Productivity of the Domestic Industry**

46. The capacity of domestic industry has remained stagnant and productivity of the domestic industry has declined. It has declined by 2% during POI as compared to the base year. Wages to the employees have increased by 22% during POI compared to base year 2003-04 and wages per unit of production increased in 2004-05 and thereafter remained stagnant upto POI.

**LIKELIHOOD OF RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY**

47. The domestic industry has made following submissions regarding Likelihood of continuance of dumping and injury:

A. Injury to the domestic industry is required to be examined in the context of the requirements under review. In this regard, imports are already undercutting the prices of the domestic industry, and domestic industry is being forced to sell its product at a price which do not even permit recovery of full cost of production, leave aside reasonable return on investment. Such being the situation, should the present duties be revoked, the price undercutting would lead to further increase in imports, which would result in intensified dumping and injury, given the prices at which these exporters are exporting material. Further, the performance of the domestic industry is already adverse during the period under consideration and it is likely that revocation of anti-dumping measures would result in intensified injury to the domestic industry.

B. Production capacity in China for the product under consideration is significantly higher than domestic demand, which is evident from the fact the Chinese producers are exporting subject goods to India in spite of imposition of duty. Should the current measures be allowed to lapse, there is likelihood that significant proportion of unused production capacity would be used to flood the Indian market. Given the price at which the imports were made, there is no reason to believe that future prices would be higher than this if the present duties are revoked.

C. Domestic industry considers that when examining the impact of such low-priced imports on the situation of the domestic industry, the following are relevant:-

48. Petitioners have further highlighted the following factors to suggest that injury to the domestic industry is likely to be continued in case present duty in force is revoked.

A. **Level of current dumping margin:-** It has been pleaded that dumping margin is very significant and in the previously concluded investigation also, the Designated Authority found significant dumping margin.

B. **Export orientation of foreign producers:-** Chinese producers are stated to have built capacities far in excess of its domestic demand. It has further been pleaded that capacity has been created considering export market and such being the case, revocation of duty would result in flooding of Indian Market by such dumped material.

C. **Ample production capacity: -** The Domestic Industry has pleaded that India and China are major producers of subject goods meeting world requirement of subject goods. Chinese exporters have built capacities far in excess of their domestic demand which is stated to be about 800 MT compared to production capacity of 15000 MT and actual production is stated to be 9200 MT.

49. Designated Authority notes that evidence provided by the domestic industry in the form of information downloaded from internet shows that capacity created in China for product under consideration is significant and more than demand of product concerned in China PR. Further, producers from China continue to dump the product concerned in spite of imposition of duty. Therefore, there is no reason to believe that the producers from China would not dump subject goods in large volumes in case of revocation of duty. The Designated

Authority therefore, determines that there is likelihood of continuation of dumping and recurrence of injury to the domestic industry in case the duty is revoked.

### **Conclusion**

50. On the basis of the above examination of the current level of dumping, injury, causal links and likelihood of continuation of dumping and injury the Authority concludes that

- a) The subject goods are continuing to enter the Indian market from China PR at dumped prices;
- b) The domestic industry is suffering material injury due to the dumped imports;
- c) Dumping of the subject goods from subject countries and injury to the domestic industry is likely to continue if the duties are withdrawn.

### **Indian industry's interest & other issues**

51. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market. Imposition of anti-dumping measures is not either intended or would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

### **FINAL FINDINGS:**

52. Having regard to the issues raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of current and likely dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- i) the subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margins from subject countries are substantial and above de-minimis. The subject goods are likely to enter Indian market at dumped prices, should the present measures be withdrawn. Thus, it has not been established that the continued imposition of the duty to offset dumping is unnecessary,
- ii) even though the domestic industry has improved its performance over the injury period, the situation of domestic industry continues to be fragile. Further, should the present anti dumping duties be withdrawn, injury to the domestic industry is likely to continue or recur.

53. Having concluded that the situation of the domestic industry continues to be fragile and there is likelihood of continuation or resumption of dumping and injury on account of imports from subject countries if the duties are revoked, the Authority is of the opinion that continuation of the measure is necessary against import from these countries. However, in view of the current level of dumping from subject countries and injury suffered by the domestic industry the anti dumping duty in force needs to be revised. Therefore, the Authority

considers it necessary and recommends continuation of anti dumping duty on imports of subject goods from subject countries.

54. The Authority considers it necessary to continue with an anti dumping duty on all imports of Trimethoprim (TMP) from China in order to remove the injury to the domestic industry. The Authority recommends the amount of anti dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports has been compared with the weighted average non-injurious price of the domestic industry determined for the period of investigation.

55. Accordingly, the Authority recommends imposition of definitive anti dumping duty on all imports of TRIMETHOPRIM (TMP) falling under customs heading 29335920 of chapter 29 of Customs Tariff Act, originating in or exported from China. The anti-dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in Col.9 and the landed value of imports

Sl. No	Sub-heading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount Rs.	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	2933 5920	Trimethoprim	Any Grade	China PR	China	Any	Any	826	KG	INR
2	2933 5920	Trimethoprim	Any Grade	Any other than China PR	China PR	Any	Any	826	KG	INR
3	2933 5920	Trimethoprim	Any Grade	China PR	Any	Any	Any	826	KG	INR

56. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

57. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measure as recommended herein from time to time as per the relevant provisions of the Act and public notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party as per the time limit stipulated for this purpose.

R. GOPALAN, Designated Authority